चतुर्थ षट्मास

प्रथम प्रश्न पत्र आधुनिक कथा–साहित्य **44601**

इकाई–प्रथम

मेवै रा रूंख–अन्ना राम सुदामा धरती प्रकाशन, बीकानेर

इकाई–द्वितीय

तीन बी सी बार– सम्पादक नन्द भारद्वाज नेशनल बुक ट्रस्ट ए–5, ग्रीन पाक्र,नई दिल्ली

इकाई–तृतीय

विजय दान देथा री सिरै कथावां–सम्पादक विजयदान देथा नेशनल बुक ट्रस्ट ए–5,ग्रीन पार्क, नई दिल्ली

इकाई–चतुर्थ

उक्त तीनों पाठय पुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न

इकाई–पंचम

आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का विकास

सहायक पुस्तकें

1.आधुनिक राजस्थानी साहित्य प्रेरणा स्त्रोत एवं प्रवृत्तियां – डॉ. किरण नाहटा,चिन्मय प्रकाशन, जयपुर

द्वितीय प्रश्न पत्र – काव्य शास्त्र **44602**

इकाई प्रथम

काव्य की परिभाषा, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।

इकाई द्वितीय

रस सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय।

इकाई तृतीय

अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय।

इकाई चतुर्थ

वक्रोक्ति सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय।

इकाई पंचम

पाश्चात्य सांहित्य सिद्वान्तों का सामान्य परिचय।

(अरस्तु का विरेचन एवं अनुकरण, क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद, कालरिज का कल्पना सिद्वांत)

सहायक पुस्तकें

1.भारतीय काव्य शास्त्र : डॉ. भागीरथ मिश्र।

2.पाश्चात्य काव्य शास्त्र : डॉ. तारकनाथ बाली।

3.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र– डॉ.कृष्णदेव झारी

तृतीय प्रश्न पत्रः A – राजस्थानी समाज एवं संस्कृति 44603A

इकाई – प्रथम

प्राचीन काल, मध्यकाल, उपनिवेशकाल और 1857 का राजस्थान में स्वाधीनता संग्राम, राजस्थान की रियासतें, राजस्थान का एकीकरण।

इकाई – द्वितीय

राजस्थान का भूगोल,क्षेत्र, वनस्पतियां, पहाड़, नदी, नाले, एवं पशुपक्षी।

इकाई – तृतीय

खान–पान और वेश–भूषा।

इकाई – चतुर्थ

पर्व, व्रत–त्यौहार एवं उत्सव

इकाई – पंचम

लोक नृत्य, मनोरंजन, खेलकूद, लोक तीर्थ, रीति रिवाज

सहायक ग्रंथ

1.राजस्थान का इतिहास – बी.एल. पानगड़िया, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर

2.राजस्थान का स्वाधीनता संग्राम – डॉ. प्रकाश व्यास, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

3.राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा – सं. डॉ. जससिंह नीरज, डॉ. बी.एल. शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

4.राजस्थान के रीति रिवाज – डॉ. सुखवीर सिंह गहलोत

5.राजस्थान के लोक नृत्य – डॉ. महेन्द्र भानावत,

6.राजस्थान का लोक साहित्य – नानूराम संस्कर्ता

7.राजस्थान का वृहद इतिहास – राम प्रसाद व्यास

8.राजस्थान की पंरम्परा और संस्कृति – रानी लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत

9.राजस्थानी लोक संस्कृति एवं लोक देवी–देवता – डॉ. सुरेश सालवी

10.राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति (एक समग्र अवलोकन) –हरदान हर्ष,आशीर्वाद, पब्लिकेशन्स बी–10,लक्ष्मी मन्दिर सिनेमा के पास, टोंक रोड़, जयपुर

तृतीय प्रश्न पत्रः B राजस्थानी लोक संस्कृति के विविध रुप 44603B

इकाई – प्रथम

राजस्थान के लोक देवी–देवता

इकाई – द्वितीय

राजस्थान के संस्कार एवं अनुष्ठान

इकाई – तृतीय

राजस्थानी लोक कलाएं– मांडणा, स्थापत्य एवं चित्रकला

इकाई – चतुर्थ 20 अंक

लोक विश्वास

इकाई – पंचम 20 अंक

मेले

सहायक ग्रंथ

1.राजस्थानी लोक संस्कृति एवं लोक देवी–देवता – डॉ. सुरेश सालवी, आर्य बुक सेन्टर, हिमान्शु पब्लिकेशन्स, उदयपुर

2.राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा– सं. डॉ. जयसिंह नीरज, डॉ.भगवती लाल शर्मा, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

3.राजस्थान के रीति रिवाज – डॉ. सुखवीर सिंह गहलोत

4.राजस्थान की पंरम्परा और संस्कृति – रानी लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत,

चतुर्थ प्रश्न पत्रः A – राजस्थानी भाषा का व्याकरण 44604A

इकाई प्रथम

राजस्थानी भाषा की वर्णमाला।

इकाई द्वितीय

राजस्थानी भाषा की विशिष्ट ध्वनियां

इकाई तृतीय

राजस्थानी भाषा के संज्ञा एवं सर्वनाम रूप।

इकाई चतुर्थ

राजस्थानी भाषा की व्याकरणिक विशेषताएं एवं क्रिया रुप

इकाई पंचम

राजस्थानी भाषा के अव्यय एवं परसर्गों का विकास।

सहायक पुस्तकें

1.राजस्थानी भाषा और उसकी बोलियॉ – सम्पादक : डॉ. देव कोठारी, साहित्य संस्थान, उदयपुर

2.राजस्थानी भाषाः भाषा–वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. मनमोहन स्वरुप माथुर, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

3.आधुनिक राजस्थानी का संरचनात्मक व्याकरण – कालीचरण बहल शिकागो विश्वविद्यालय, राजस्थानी शोध संस्थान चौपासनी, जोधपुर

4. राजस्थानी व्याकरण – बी.एल.माली'अशांत', राजस्थानी भवन फाउण्डेशन 3/343,मालवीय नगर, जयपुर

5.राजस्थानी व्याकरण – पद्मश्री सीताराम लालस, राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट के पास, जोधपुर

चतुर्थ प्रश्न पत्रः B – राजस्थानी भाषा में निबन्ध लेखन 44604B

इकाई प्रथम

राजस्थानी भाषा

इकाई द्वितीय

राजस्थानी साहित्य

इकाई तृतीय

लोक साहित्य

इकाई चतुर्थ

संस्कृति

इकाई पंचम

साहित्यकार

पंचम प्रश्न पत्रः A – पाठालोचन **44605A**

इकाई प्रथम

पाठालोचन के सिद्धान्त।

इकाई द्वितीय

पाठालोचन की प्रक्रिया।

इकाई तृतीय

पाठालोचन की सम्पादन पद्धतियाँ (टैसीटरी, ठाकुर रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी)।

इकाई चतुर्थ

पाठालोचन की सम्पादन पद्वतियॉ।

(हरिनारायण पुरोहित एवं कन्हैयालाल सहल)

इकाई पंचम

पाठालोचक की अपेक्षित योग्यता एवं पाठालोचक के गुण

सहायक पुस्तकें

1.पाठालोचन की भूमिका : डॉ. उदय नारायण तिवारी

2.पाण्डुलिपि विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

पंचम प्रश्न पत्रः B – पाण्डुलिपि सम्पादन **44605B**

इस प्रश्न पत्र में किसी महत्वपूर्ण पाण्डुलिपि के कम से कम 25 पृष्ठों का सम्पादन करके आवश्यक सम्पादकीय भूमिका के साथ प्रस्तुत करना होगा। (मूल पाठ एवं सम्पादित पाठ) जिसकी टंकित प्रतियाँ सत्रांत में विभागीय कार्यालय में प्रस्तुत करनी होगी। यह पाण्डुलिपि सम्पादन 100 अंको का होगा। इसका मूल्याँकन निर्देशक द्वारा उपयुक्तता प्रमाण–पत्र देने के उपरान्त बाह्य परीक्षक द्वारा होगा।

षष्ट्म प्रश्न पत्रः A – राजस्थानी के प्रमुख रचनाकारों पर प्रोजेक्ट वर्क 44606A

इकाई प्रथम

प्रारम्भ काल एवं पूर्वमध्यकाल के रचनाकार

इकाई द्वितीय

उत्तर मध्यकाल के रचनाकार

इकाई तृतीय

आधुनिक गद्य रचनाकार

इकाई चतुर्थ

आधुनिक पद्य रचनाकार

इकाई पंचम

लोक साहित्यकार

षष्ट्म प्रश्न पत्रः B – लघु शोध–प्रबन्ध 44606B

इकाई प्रथम

राजस्थानी भाषा एवं बोलियां

इकाई द्वितीय

साहित्य, विधा एवं साहित्यकार

इकाई तृतीय

लोक साहित्य

इकाई चतुर्थ

राजस्थानी संस्कृति

इकाई पंचम

लोकोत्सव एवं लोक कलाएं